

दैनिक

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त



मुंबई हलचल

अब हर सच होगा उजागर

सीबीआई का अलर्ट

कोरोना अपडेट के लिए इंस्टाल किया ऐप लग सकती है चपत

संवाददाता नई दिल्ली। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने आगाह किया है कि यदि आपने कोरोना वायरस महामारी पर अपडेट जानने के लिए अपने स्मार्टफोन पर कोई एप्लिकेशन इंस्टॉल किया है, तो आप को चपत लग सकती है। सीबीआई ने इस संबंध में सभी राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों और केंद्रीय एजेंसियों को अलर्ट किया है। (शेष पृष्ठ 3 पर)



॥ शुभ लाभ ॥
MIX MITHAI

• मोतीचूर लड्डू • काजू कतरी • काजू रोल
• बदाम बफी • मलाई पेड़े • रसगुल्ले

MM MITHAIWALA
Malad (W) Tel. : 288 99 501

बोनी कपूर के घर तक पहुंचा कोरोना

नौकर मिला पॉजिटिव



मुंबई। पूरी दुनिया में पिछले कुछ महीनों से कोरोना वायरस कहर बनकर टूट पड़ा है। भारत में भी इस जानलेवा वायरस के कारण पिछले 2 महीने लॉकडाउन जारी है। बॉलिवुड भी कोरोना वायरस अछूता नहीं रहा है। कई मामले सामने आने के बाद अब फिल्म इंडस्ट्री के जाने-माने प्रड्यूसर बोनी कपूर के घर तक कोरोना पहुंच गया है। बोनी कपूर के घर में काम करने वाला एक नौकर कोरोना पॉजिटिव पाया गया है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

यात्रीगण ध्यान दें: 1 जून से पटरी पर दौड़ेंगी 200 नॉन एसी ट्रेन



जल्द ही टाइम टेबल आएगा और ऑनलाइन बुकिंग शुरू होगी

संवाददाता नई दिल्ली। श्रमिक और 15 जोड़ी स्पेशल ट्रेन चलाने के बाद भारतीय रेल धीरे-धीरे पटरी पर आ रही है। रेलवे ने अब 200 नॉन-एसी ट्रेनें चलाने का फैसला लिया है। ये ट्रेनें 1 जून से टाइम टेबल के अनुसार प्रतिदिन चलेंगी। इसकी ऑनलाइन बुकिंग जल्द शुरू होगी। रेल मंत्री पीयूष गोयल और रेल मंत्रालय ने मंगलवार को ट्वीट कर इस बात की जानकारी दी। (शेष पृष्ठ 3 पर)

संपादकीय

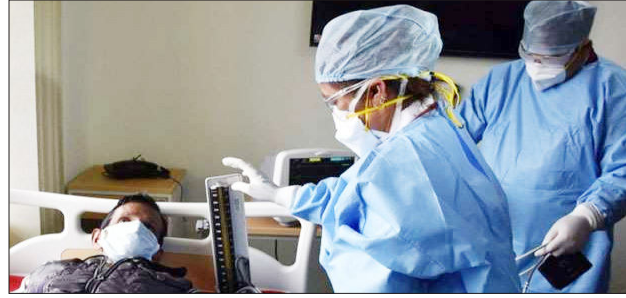
बीजिंग बनाम वाशिंगटन

कुछ तो चीन के अपारदर्शी रवैये और कुछ अमेरिका की घरेलू राजनीति ने दोनों देशों के रिश्ते को ऐसे मोड़ पर ला खड़ा किया है, जहां से यह एक अप्रिय रुख भी ले सकता है। और यकीनन, वैश्विक अर्थव्यवस्था पर इसका गहरा असर पड़ेगा। अमेरिकी कांग्रेस में प्रभावशाली रिपब्लिकन सदस्य मार्क ग्रीन ने एक ऐसा विधेयक पेश किया है, जिसने यदि कानून का रूप लिया, तो फिर चीन से अमेरिकी कंपनियों का पलायन तेज हो जाएगा। प्रस्तावित ब्रिंग अमेरिकन कंपनीज होम ऐक्ट में सरकार से यह अपेक्षा की गई है कि चीन छोड़कर स्वदेश आने वाली कंपनियों का वह सौ फीसदी स्थानांतरण भार वहन करे और उनके चीनी आयात पर आरोपित लेवी को भी माफ किया जाए। ग्रीन द्वारा पेश एक अन्य विधेयक अमेरिकी सुरक्षा के लिहाज से संवेदनशील कंपनियों में चीन की रणनीतिक बढ़त को रोकने की मांग करता है। उधर पेंटागन ने भी मिसाइलों, युद्ध-सामग्रियों व हाइपरसोनिक हथियारों के निर्माण में इस्तेमाल होने वाले दुर्लभ खनिज पदार्थों के लिए चीन पर निर्भरता खत्म करने वाला एक विधेयक तैयार किया है। ये सारी कवायदें बता रही हैं कि वाशिंगटन बीजिंग पर सिर्फ शाब्दिक प्रहार में नहीं जुटा, बल्कि वह उसके विरुद्ध ज्यादा ठोस रणनीति बना रहा है। अमेरिका में चंद महीने बाद ही राष्ट्रपति चुनाव होने वाले हैं, और कोरोना महामारी में वहां 90 हजार से अधिक लोगों की मौत ने डोनाल्ड ट्रंप की सारी चुनावी रणनीति बिगाड़ दी है। यही वजह है कि वह कभी पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा पर निशाना साध रहे हैं, तो कभी डब्ल्यूएचओ को धमका रहे हैं, और चीन के विरुद्ध अपने देश में राष्ट्रवादी ज्वार पैदा करने की कोशिश तो खैर कर ही रहे हैं। इसमें कोई दोराय नहीं कि कोविड-19 मामले में चीनी रुख से दुनिया के काफी सारे देश नाराज हैं, और शायद विश्व जनमत को भांपते हुए ही वह वायरस-संकट की स्वतंत्र व निष्पक्ष जांच में सहयोग के लिए राजी भी हुआ है। दुनिया के 60 से अधिक देश जानना चाहते हैं कि इस महामारी की रोकथाम में क्या डब्ल्यूएचओ ने वाकई कोई लापरवाही बरती और वह बीजिंग के आगे झुका, जैसा कि अमेरिकी राष्ट्रपति दावा करते हैं? इसकी जांच और नतीजे आने में तो वक्त लगेगा, पर कोरोना के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था को जो झटका लगा है, उससे उबरने के रास्ते तलाशने में तमाम देश जुट गए हैं। कई अमेरिकी कंपनियां अपनी सरकार का रुख देखते हुए पहले ही चीन से निकल चुकी हैं। अब आम अमेरिकियों में चीन के प्रति जो भावना इस वक्त है, उसका चुनावी लाभ ट्रंप को मिले न मिले, मगर इतना तो तय है कि नए राष्ट्रपति के लिए उसको नजरअंदाज करना मुश्किल होगा। ऐसी सूरत में पैदा होने वाले अवसरों का लाभ उठाने के लिए ही भारत सरकार ने अपने राज्यों से कहा है कि वे अमेरिकी कंपनियों को आकर्षित करने का प्रयास करें। बताया जा रहा है कि लगभग 1,000 अमेरिकी कंपनियों से भारत संपर्क भी साध चुका है। हालांकि यह एक ऐसी प्रक्रिया है, जो लगातार चलती ही रहती है, लेकिन कोरोना से उपजे हालात ने इसे गति दे दी है।

कोरोना महामारी के चलते बिना बुनियादी अधिकार वाली देश की मौजूदा स्वास्थ्य नीति गंभीर सवालों से घिरी

शिक्षा और खाद्य सुरक्षा की तर्ज पर क्या भारत के नागरिकों के लिए स्वास्थ्य का बुनियादी अधिकार नहीं होना चाहिए? कोरोना संकट में मौजूदा स्वास्थ्य नीति के समावेशी होने पर तमाम सवाल खड़े हो रहे हैं। मोदी सरकार ने जिस राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति को 2017 में लागू किया है उसके मूल प्रारूप में जनस्वास्थ्य को शिक्षा और खाद्य की तरह बुनियादी अधिकार बनाने का प्रस्ताव था, लेकिन राज्यों के कतिपय विरोध के चलते इसे विलोपित कर दिया गया। कोरोना वायरस जनित महामारी से लड़ते हुए जो राष्ट्रव्यापी अनुभव हो रहे हैं वे नए विकल्प को विमर्श के केंद्र में लाने के लिए पर्याप्त हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानकों के आलोक में हम कई मानकों पर अफ्रीकी देशों से भी पीछे हैं। 188 देशों के स्वास्थ्य सूचकांक में भारत 143 वें क्रम पर है। नेशनल हेल्थ प्रोफाइल 2017 कहता है कि प्रति 11082 व्यक्तियों पर एक एलेपैथिक डॉक्टर है, जबकि मानक प्रति एक हजार पर एक डॉक्टर निर्धारित करता है। 50 फीसद विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी से जूझते भारत के 82 फीसदी ग्रामीण इलाकों में कोई विशेषज्ञ सेवाएं उपलब्ध नहीं हैं। करीब 5 लाख डॉक्टरों की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित करता नेशनल हेल्थ प्रोफाइल यह साबित करने के लिए पर्याप्त है कि सबको आरोग्य का लक्ष्य मौजूदा परिस्थितियों और संसाधनों



के बलबूते संभव नहीं है। मौजूदा स्वास्थ्य नीति को लागू हुए तीन वर्ष हो रहे हैं, लेकिन हम जीडीपी का करीब डेढ़ फीसद ही धन खर्च कर पा रहे हैं। निराशाजनक तथ्य है कि 2010 में जीडीपी का दो फीसदी खर्च करने का लक्ष्य 2020 तक भी पूरा नहीं हो पाया। वहीं चीन 3.2, भूटान 2.5, मालदीव 9.4, श्रीलंका 1.6 और नेपाल 1.1 फीसद के साथ हमसे बेहतर स्थिति में है। अर्न्स्ट एन्ड यंग का एक अध्ययन बताता है कि भारत में सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं की तंगी के चलते प्रतिवर्ष 4 करोड़ लोग गरीबी रेखा के नीचे आ जाते हैं। डब्ल्यूएचओ ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा था कि भारत में 67.78 प्रतिशत लोग खुद अपनी जेब से अपना इलाज कराते हैं जो वैश्विक औसत 18.2 की तुलना में बहुत अधिक है। जाहिर है गरीबी खत्म करने के सभी सरकारी प्रयास देश की जर्जर स्वास्थ्य सेवाओं के चलते प्रतिगामी साबित हो रहे हैं। एक नई स्वास्थ्य नीति के निर्माण का यह सबसे उपयुक्त

समय है। मौजूदा नीति उलझी है और समरूपता के अभाव में परिणामोन्मुखी नहीं है। केंद्र और राज्यों के बीच जिस तरह राजनीतिक अलगाव रहता है उसकी छाया आरोग्य के लक्ष्य पर भी है। जनस्वास्थ्य राज्य का विषय है, लेकिन अनुभव बता रहे हैं कि राज्य अपने नागरिकों के आरोग्य में बुरी तरह नाकाम हुए हैं। लगभग 40 करोड़ आबादी वाले यूपी और बिहार की सेवाओं का अंदाजा राज्य स्वास्थ्य सूचकांक में क्रमशः 20 एवं 21 वें स्थान से लगाया जा सकता है। देश में डॉक्टरों की कमी को पूरा करने के लिए यह आवश्यक है कि सभी जिला अस्पताल मेडिकल कॉलेज में तब्दील किए जाएं। ब्रिटिश रॉयल कॉलेज ऑफ फिजिशियन एंड सर्जरी की तर्ज पर चिकित्सा शिक्षा का पुनर्गठन हो। एकीकृत आरोग्य विभाग के अधीन ही चिकित्सा शिक्षा और जन स्वास्थ्य और पोषण मिशन का समेकन किया जाना चाहिए। सेना को छोड़कर सभी चिकित्सकीय गतिविधियां एकीकृत किए जाने से उपलब्ध मानव संसाधन

और आधारभूत ढांचे का अधिकतम सदुपयोग संभव हो सकेगा। फिलहाल केंद्र, राज्य, रेलवे, ईएसआई, लेबर, नगरीय निकाय, माईस, अर्धसैनिक बल आदि के अलग-अलग अस्पताल और परिचालन नियम हैं। चिकित्सा क्षेत्र को सबसे पहले अफसरशाही के नियंत्रण से बाहर निकालने की जरूरत है। राज्यों में प्रमुख सचिव, उपसचिव, आयुक्त के अलावा केंद्र प्रवर्तित आयुष्मान, एड्स, स्वास्थ्य मिशन सबके अलग निदेशक हैं। सभी पदों पर आइएएस ही तैनात हैं। मप्र में एक मेडिकल कॉलेज के ऊपर चार आइएएस अफसर नीति निर्माण और परिचालन में पदस्थ हैं। बेहतर होगा इस अफसरी जाल को समाप्त किया जाए। केंद्र अगर जनस्वास्थ्य को अपने हाथ में लेता है तो केवल एक ही तंत्र काम करेगा। इसका एक बेहतर विकल्प है अखिल भारतीय अभियांत्रिकी सेवा की तर्ज पर चिकित्सा संवर्ग का गठन। अभी स्थिति यह है कि एक मेडिकल कॉलेज का डीन या अधीक्षक सबसे वरिष्ठ विशेषज्ञ डॉक्टर होता है, लेकिन वह जिस आइएएस को रिपोर्ट करता है वह जरूरी नहीं कि यूपीएससी में चिकित्सा पृष्ठभूमि से आया हो। चूंकि चिकित्सा तंत्र सरकारी सिस्टम की जड़ता से घिरा हुआ है इसलिए डॉक्टर भी उसी नोटशीट, फाइल, अनुमोदन की दुरुह कार्यसंस्कृति में फंस गए हैं। देश के सभी मेडिकल कॉलेजों की गुणवत्ता तय करने के लिए एकीकृत परीक्षा सिस्टम भी जरूरी है।

फैक्ट्री चालू करने की अनुमति तो मिल जाएगी, लेकिन कामगार नहीं मिलेंगे

लॉकडाउन का चौथा चरण शुरू हो गया है। लगता है कि बहुत कुछ बदला है, लेकिन केंद्रीय गृह मंत्रालय जो निर्देश दे रहा है उनका पालन सही तरह नहीं हो रहा है। कई राज्य सरकारें अपनी ओर से नियम बना रही हैं। इससे भी ज्यादा गलत बात यह है कि जिला और पुलिस प्रशासन अपने ढंग से काम कर रहे हैं। ऐसा लगता है कि उन्हें सख्ती करने और किस्म-किस्म की रोक लगाने को कहा जा रहा है। यदि गृह मंत्रालय के ताजा निर्देशों को देखा जाए तो शॉपिंग मॉल के अलावा सारी दुकानें खुली होनी चाहिए। उनमें सिर्फ दो गज दूरी का नियम लगाया गया है। दुकानों का खुलना और सुबह 7 बजे से शाम 7 बजे तक लोगों का बेरोकटोक आना-जाना इसलिए जरूरी है, क्योंकि यदि सामान नहीं बिकेगा तो न तो उत्पादन होगा और न ही कल-कारखाने चलेगें। यदि ये नहीं चले तो न लोगों को रोजगार मिलेगा और न ही काम-धंधा आगे बढ़ेगा। कोरोना से लड़ाई लड़ने के लिए हर नियम का पालन होना ही चाहिए, लेकिन इसी के साथ यह भी समझना होगा कि कोरोना इतनी जल्दी जाने वाला नहीं है। लोगों को अपनी दिनचर्या ऐसी बनानी होगी जिसमें कोरोना वायरस के संक्रमण से बचकर काम किया जा सके। अब कोरोना के साथ ही जीवन गुजारना होगा और देश को चलाना होगा। कोई भी यह दावे के



साथ नहीं कह सकता कि अमुक दिन कोरोना खत्म हो जाएगा? इस मामले में अमेरिका के राष्ट्रपति से लेकर दुनिया के किसी भी शासनाध्यक्ष को कुछ भी पता नहीं है। सब अंधेरे में तलवार चला रहे हैं। इन हालात में अब हर देश को अपनी गतिविधियां सामान्य बनानी होंगी। भारत में लाखों मजदूरों को इतनी विकट परिस्थितियों में अपने घरों को लौटना पड़ रहा है कि उन्हें देख आंखें नम हो जा रही हैं। हममें से कोई भी उनकी सही तरह मदद नहीं कर पा रहा है। कोई आरोप-प्रत्यारोप कितने भी लगा ले, लेकिन मजदूरों का दर्द दूर करना आसान काम नहीं। अब ये लाखों मजदूर कब वापस लौटेंगे, कोई नहीं जानता। गांवों में भी उनकी स्थिति कैसी रहेगी, यह कोई नहीं जानता। कुछ दिन तो

गांव में उनके परिवार के लोग उनकी देखभाल करेंगे, लेकिन उसके बाद उनमें भी कलह हो सकती है। फिलहाल मजदूर वापस शहर लौटते नहीं दिखते। कई उद्योगपतियों ने मुझे बताया कि उन्हें फैक्ट्री चालू करने की अनुमति मिल गई है, लेकिन काम करने वाले लोग नहीं हैं। ऐसे में उत्पादन ठप पड़ा है। उनका यह भी कहना है कि महीने दो महीने तो जैसे-तैसे वेतन देकर निकाल लिया, लेकिन जब हमारी खुद की आमदनी जीरो है तो हम आगे वेतन कैसे दे पाएंगे? जो सरकारों की लेनदारी है उसे बजाय माफ करने के लेने की कोशिश की जा रही है। उन्हें कुछ समझ नहीं आ रहा कि आगे क्या होने वाला है। जब बेरोजगारी बढ़ेगी तो देश में सामाजिक अशांति को रोकना मुश्किल होगा। मेरे मित्र रश्मि शर्मा विश्व की बहुत बड़ी वित्तीय कंपनी मॉर्गन स्टेनली में उच्च पदाधिकारी हैं और ट्रंप टॉवर, न्यूयॉर्क में रहते हैं। वह मार्च में अपने माता-पिता से मिलने दिल्ली आए थे और तब से यहीं फंसे रह गए हैं, क्योंकि हवाई सेवाएं बंद हैं। वह जाने माने अर्थशास्त्री हैं। उनकी तमाम कितारें विश्व भर में पढ़ी जाती हैं। रश्मि ने मुझे बताया कि उन्होंने इस दौरान कई देशों के वित्त मंत्रियों से बातचीत की है। उन्होंने यह निष्कर्ष निकाला कि भारत में सबसे कड़ा लॉकडाउन है। जिन देशों में भारत से कहीं ज्यादा कोरोना मरीज हैं वहां आर्थिक गतिविधियां चल रही हैं।

लॉकडाउन में ईद मनाने नहीं बल्कि अपनी बीमार मां की वजह से गांव पहुंचे नवाज

संवाददाता

मुंबई। कोरोना वायरस महामारी के चलते देश में लॉकडाउन 4.0 की शुरुआत हो चुकी है जिसके चलते स्टार्स से लेकर आम लोग घर में ही रहने को मजबूर हैं। हालांकि नवाजुद्दीन सिद्दीकी और उनका परिवार हाल ही में मुंबई से उत्तर प्रदेश अपने गांव बुढ़ाना पहुंचे हैं। माना जा रहा था कि नवाज ईद का त्योहार मनाने के लिए अपने गांव गए हैं लेकिन उनके भाई ने ट्वीट के सहारे साफ किया है कि उन्होंने आखिर लॉकडाउन के बीच गांव जाने का फैसला क्यों लिया। नवाजुद्दीन सिद्दीकी के भाई शम्स सिद्दीकी ने ट्वीट किया है जिसमें उन्होंने बताया है कि उनकी मम्मी काफी बीमार थीं इसलिए वह गांव गए हैं, ईद मनाने के लिए नहीं।



उन्होंने अपने ट्वीट में लिखा, हाल ही हमारी बहन का कैंसर से निधन होने के बाद, हमारी 71 वर्षीय मां की तबीयत काफी खराब है। इसलिए नवाजुद्दीन को मां के पास बुढ़ाना जाना पड़ा, ईद मनाने के लिए नहीं। इस ट्वीट में उन्होंने एक दस्तावेज भी अटैच किया जिसमें देखा जा सकता है कि नवाजुद्दीन ने मुंबई पुलिस से परमिशन लेने के बाद ही अपनी पर्सनल गाड़ी से अपने गांव तक की यात्रा की है। नवाज ने भी ट्वीट किया था कि मुंबई से उत्तर प्रदेश तक का सफर तय करने के कारण उन्हें और उनके परिवार को 14 दिन के लिए अपने होमटाउन में क्वारंटीन किया गया है और उन्होंने राज्य सरकार की सभी गाइडलाइन्स का पालन किया है।

नवाजुद्दीन सिद्दीकी की पत्नी आलिया ने भेजा तलाक का नोटिस

मुंबई। बॉलीवुड के मशहूर एक्टर नवाजुद्दीन सिद्दीकी अपनी फिल्मों और एक्टिंग के लिए खूब जाने जाते हैं। लेकिन हाल ही में उनसे जुड़ी एक चौकाने वाली खबर आई है। उनकी पत्नी आलिया सिद्दीकी ने उन्हें तलाक का कानूनी नोटिस भेजकर गुजारा भत्ता और तलाक मांगा है। आलिया (अंजलि) के वकील अभय सहाय ने बताया कि कोरोना वायरस महामारी के दौरान स्पीड पोस्ट की सुविधा उपलब्ध नहीं होने के कारण नवाजुद्दीन को यह नोटिस ई-मेल और व्हाट्सएप के जरिए 7 मई को भेजा गया। उन्होंने बताया कि अभी इस नोटिस पर एक्टर का जवाब मिलना बाकी है। नवाजुद्दीन सिद्दीकी की पत्नी आलिया के वकील सहाय ने सोमवार को फोन पर बताया, हमारी मुव्ताकिल श्रीमति सिद्दीकी ने व्हाट्सएप के जरिए भी नोटिस भेजा है। हालांकि, नवाजुद्दीन से अभी तक कोई जवाब नहीं मिला है। नोटिस में गुजारा भत्ता और तलाक मांगा गया है। सहाय ने कहा कि वह तलाक के नोटिस पर ज्यादा कुछ नहीं कह सकते हैं लेकिन अभिनेता और उनके परिवार पर लगाए गए आरोप गंभीर हैं। बता दें कि नवाजुद्दीन और आलिया का निकाह 2009 में हुआ और उनके दो बच्चे हैं।



नवाज की कोरोना रिपोर्ट आई नेगेटिव:

खबर के मुताबिक नवाजुद्दीन सिद्दीकी बीते शुक्रवार को परिवार के साथ पुश्तैनी गांव पहुंचे जहां उनका पूरा चेकअप भी किया गया। नवाजुद्दीन और उनके साथ आए बाकी सदस्यों का कोरोना टेस्ट नेगेटिव आया है। वर्कफ्रंट की बात करें तो नवाजुद्दीन की हाल ही में फिल्म 'धूमकेतू' का टीजर रिलीज हुआ है, जिसे लेकर एक्टर काफी चर्चा में हैं। इस फिल्म में नवाज पहली बार अनुराग कश्यप के साथ स्क्रीन शेयर करते हुए नजर आएंगे। ये फिल्म 22 मई को जी5 पर रिलीज होने जा रही है।

होम क्वॉरंटीन किए गए नवाज से मिलने पहुंचे बीजेपी विधायक और एसडीएम, साथ बैठकर पी चाय

नवाजुद्दीन से मुलाकात कर लौटे भाजपा विधायक उमेश मलिक ने कहा, 'उनका स्वास्थ्य जानने पहुंचा था। वहां सिर्फ उन्हें नमस्कार कर चला आया।'

मुजफ्फरनगर। बुढ़ाना में होम क्वॉरंटीन हुए नवाजुद्दीन सिद्दीकी से मिलने के लिए मंगलवार को बीजेपी विधायक उमेश मलिक और एसडीएम भूपेंद्र उनके घर पहुंच गए। इस दौरान भाजपा के कई कार्यकर्ता और पुलिस कर्मी भी मौजूद रहे। बताया जा रहा है कि नवाज के घर में विधायक और अधिकारी ने करीब 35 मिनट का वक्त बिताया। इस दौरान विधायक सहित अन्य अधिकारियों ने नवाज के साथ बैठकर चाय का लुत्फ भी उठाया। बता दें कि, नवाजुद्दीन सिद्दीकी हाल ही में परिवार के



साथ मुजफ्फरनगर के बुढ़ाना अपने पैतृक घर लौटे हैं। उन्हें 14 दिन के अनिवार्य क्वॉरंटीन में रखा गया है। नवाजुद्दीन से मुलाकात कर लौटे भाजपा विधायक उमेश मलिक ने कहा, उनका स्वास्थ्य जानने पहुंचा था। वहां सिर्फ उन्हें नमस्कार कर चला आया। होम क्वॉरंटीन के दौरान नवाज से मिलने के सवाल पर उन्होंने कहा कि नवाज का टेस्ट हो चुका है। उनकी रिपोर्ट नेगेटिव आई है। नवाज के घर पर सोशल डिस्टेंसिंग का पूरा पालन किया गया था।

(पृष्ठ 1 का शेष)

सीबीआई का अलर्ट

सीबीआई ने कहा है कि स्मार्टफोन पर कोरोना वायरस से संबंधित अपडेट जानने के लिए इंस्टॉल किए गए एप्लिकेशन के जरिये एक सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल किया जा रहा है। जांच एजेंसी का कहना है कि इस सॉफ्टवेयर से क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड का नंबर चुराया जा सकता है, और बाद में इसका इस्तेमाल लोगों के बैंक खाते से पैसा निकालने में किया जा सकता है। असल में, सीबीआई को अभी हाल ही में इंटरपोल से बैंकिंग गड़बड़ी करने वाले सॉफ्टवेयर के बारे में जानकारी मिली है, जिसे सेबर्स के रूप में जाना जाता है। सीबीआई के अलर्ट में कहा गया है, यह एक ऐसा सॉफ्टवेयर है जिसके जरिये कोरोना वायरस जैसी महामारी संकट का फायदा उठाकर आपको रटर भेजा जाएगा। इसमें एक लिंक होगा जिसमें कोविड की जानकारी मुहैया कराने की बात कही गई होगी, लेकिन इसके माध्यम से बैंकिंग से जुड़ी सूचनाएं स्मार्टफोन से चुरा ली जाती हैं और फीशिंग जैसी घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा है। संघीय जांच एजेंसी के अनुसार, यह सॉफ्टवेयर मुख्य रूप से क्रेडिट कार्ड नंबर जैसे वित्तीय डेटा चोरी करने पर फोकस है। सीबीआई का कहना है कि इसके जरिये लोगों की व्यक्तिगत सूचनाएं भी चुराई जा सकती हैं। बहरहाल, सीबीआई ने यह अलर्ट ऐसे समय

जारी किया है जब कई राज्यों की पुलिस ने कोरोना वायरस संकट के दौरान आर्थिक गड़बड़ियों को लेकर शिकायतें दर्ज की हैं।

बोनी कपूर के घर तक पहुंचा कोरोना

खबर की मांने तो बोनी ने बताया है कि उनके लोखंडवाला कॉम्प्लेक्स वाले घर में काम करने वाले 23 साल के चरण साहू को टेस्ट में कोविड-19 पॉजिटिव पाया गया है। साहू पिछले शनिवार को बीमार थे जिसके बाद बोनी कपूर ने उन्हें टेस्ट के लिए भेजने के बाद आइसोलेशन में रखा था। टेस्ट रिपोर्ट्स पॉजिटिव आने के बाद सोसायटी की अथॉरिटीज और बीएमसी के अधिकारियों को इस बारे में सूचना दी गई। इसके तुरंत बाद बीएमसी और राज्य सरकार के लोग वहां पहुंच गए और साहू को क्वॉरंटीन सेंटर लेकर चले गए। हालांकि बोनी ने बताया है कि वह, उनके बच्चे और स्टाफ पूरी तरह सही हैं और उनमें बीमारी के कोई लक्षण नहीं हैं। उन्होंने यह भी बताया कि लॉकडाउन लागू होने के बाद उनके घर का कोई भी सदस्य बाहर नहीं गया है। उन्होंने चरण साहू के जल्द ही ठीक होकर लौटने की भी उम्मीद जताई है।

यात्रीगण ध्यान दें...

पीयूष गोयल ने कहा कि भारतीय रेल 1 जून से टाइम टेबल के अनुसार प्रतिदिन 200 नॉन एसी ट्रेन चलाएगा जिसकी ऑनलाइन बुकिंग शीघ्र ही

शुरू होगी। इन ट्रेनों की बुकिंग भी आईआरसीटीसी की वेबसाइट के जरिए ही होगी। रेलवे के इस कदम से प्रवासी मजदूर जो अपने घरों से दूर दूसरे राज्य में फंसे हैं उन्हें राहत मिलेगी। वहीं, रेल मंत्रालय ने ट्वीट किया कि राज्य सरकारों से अनुरोध किया गया है कि जो श्रमिक रास्ते में हैं उन्हें राज्य सरकारों के मेन लाइन रेलवे स्टेशन के नजदीक पंजीकृत करें और इसकी लिस्ट रेलवे को दें, जिससे कि श्रमिक स्पेशल ट्रेन द्वारा उन्हें उनके गंतव्य स्थान तक पहुंचाया जा सके। इन श्रमिक स्पेशल ट्रेनों के अतिरिक्त भारतीय रेल 1 जून से प्रतिदिन 200 अतिरिक्त टाइम टेबल ट्रेनें चलाने जा रहा है जो कि गैर वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी की ट्रेन होंगी और इन ट्रेनों की बुकिंग ऑनलाइन ही उपलब्ध होगी। ट्रेनों की सूचना शीघ्र ही उपलब्ध कराई जाएगी। रेल मंत्रालय ने कहा कि भारतीय रेल अपील करती है कि श्रमिक धैर्य रखें एवं अपने स्थान पर ही रहें। भारतीय रेल द्वारा श्रमिकों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने की पूरी व्यवस्था की जा रही है। बता दें कि लॉकडाउन के कारण रेल सेवा पूरी तरह से ठप थी। रेलवे ने पहले अलग-अलग राज्यों में फंसे प्रवासी मजदूरों के लिए पहले श्रमिक स्पेशल ट्रेन चलाने का फैसला लिया। इस ट्रेन से प्रवासी लोगों को उनके राज्यों तक पहुंचाया जा रहा है। वहीं 12 मई से 15 जोड़ी स्पेशल ट्रेन भी पटरी पर दौड़ना शुरू हुई।

राशन किट से लेकर प्रवासी मजदूरो को भोजन व उनको उनके घरों तक पहुंचाने का कार्य कर रहे है प्रणव सक्सेना

संवाददाता सहारनपुर। कोरोना कोविड 19 वैश्विक महामारी ने पूरी दुनिया को हिला कर रख दिया है। शायद ही दुनिया का कोई देश इस महामारी से अछूता रह गया हो। दुनिया में चारों तरफ इस महामारी ने हा हा कार मचा रखा है। कोरोना कोविड-19 की इस वैश्विक महामारी ने हमारे देश में भी अपना विकराल रूप धारण किया हुआ है। इस महामारी ने देश में अब तक 90000 से ज्यादा लोगों को अपनी चपेट में ले लिया है तथा हजारों लोगों ने इस से अपनी जान भी गंवा दी है। इस समय में देश में बहुत भयावहा माहौल पैदा हो गया है लेकिन इस विकट समय में देश से कुछ रहात देने वाली तस्वीर सामने आ रही है जिनमे देखा जा रहा है कि कुछ स्वयं सेवी संस्थाएं और कुछ सोशल एकटिविस्ट लोग जरूरत मंद लोगों की सहायता के लिए आगे आ रहे है ऐसे ही मदद करते हुए सहारनपुर से एक सोशल एकटिविस्ट प्रणव सक्सेना की तस्वीर सामने आ रही है जो इस महामारी मे निस्वार्थ विना किसी भेद भाव के इलाके के गरीब जरूरत मंद लोगों की एक कोरोना योद्धा के रूप मे मदद कर रहे है प्रणव जरूरत मंदो को राशन किट से लेकर प्रवासी मजदूरो को भोजन व उनको उनके घरों तक पहुंचाने का कार्य कर रहे है प्रणव सक्सेना उत्तर प्रदेश वाणिज्य कर विभाग में बतोर लिपिक नौकरी करते है और हमेशा सामाजिक



कार्या मे बढ चढकर हिस्सा लेते है, प्रणव सक्सेना प्रधानमंत्री स्वच्छता अभियान से जुड़े हुए हैं प्रणव के सामाजिक कार्यों की प्रशंसा खुद प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी मन की बात में कर चुके है, प्रणव सक्सेना द्वारा इस महामारी में गरीब जरूरत मंदो की मदद करने की लोग खुब प्रशंसा कर है सहारनपुर। कोरोना कोविड 19 वैश्विक महामारी ने पूरी दुनिया

लोगों को अपनी चपेट में ले लिया है तथा हजारों लोगों ने इस से अपनी जान भी गवा दी है। इस समय में देश में बहुत भयावहा माहौल पैदा हो गया है लेकिन इस विकट समय मे देश से कुछ रहात देने वाली तस्वीर सामने आ रही है जिनमे देखा जा रहा है कि कुछ स्वयं सेवी संस्थाएं और कुछ सोशल एकटिविस्ट लोग जरूरत मंद लोगों की सहायता के लिए आगे आ रहे है ऐसे ही प्रणव के सामाजिक कार्यों की प्रशंसा खुद प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी मन की बात में कर चुके है, प्रणव सक्सेना द्वारा इस महामारी में गरीब जरूरत मंदो की मदद करने की लोग खुब प्रशंसा कर है सहारनपुर। कोरोना कोविड 19 वैश्विक महामारी ने पूरी दुनिया

रूप मे मदद कर रहे है प्रणव जरूरत मंदो को राशन किट से लेकर प्रवासी मजदूरो को भोजन व उनको उनके घरों तक पहुंचाने का कार्य कर रहे है। प्रणव सक्सेना उत्तर प्रदेश वाणिज्य कर विभाग में बतोर लिपिक नौकरी करते है और हमेशा सामाजिक कार्या मे बढ चढकर हिस्सा लेते है, प्रणव सक्सेना प्रधानमंत्री स्वच्छता अभियान से जुड़े हुए हैं प्रणव के सामाजिक कार्यों की प्रशंसा खुद प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी मन की बात में कर चुके है, प्रणव सक्सेना द्वारा इस महामारी में गरीब जरूरत मंदो की मदद करने की लोग खुब प्रशंसा कर है वास्तव में आज ऐसे सच्चे कोरोना योद्धा कि देश को जरूरत है।

जिलाधिकारी ने जारी किए आदेश सहारनपुर में शर्तों के साथ खुलेंगी दुकानें

सहारनपुर। लॉक डाउन 4.0 में केंद्र सरकार के दिशा निर्देश के बादसे देर रात राज्य सरकार ने छूट के दायरे को बढ़ा दिया है जिसको जारी रखते हुए जिलाधिकारी सहारनपुर अखिलेश सिंह ने इलेक्ट्रॉनिक्स की दुकानों और किताबों की दुकानों को खोलने की अनुमति दी है। जिला अधिकारी अखिलेश सिंह की अनुमति के अनुसार सभी दुकानों को दिनों की व्यवस्था के अनुसार खोला जाएगा। कहने का मतलब है कोई भी दुकान लगातार नहीं खुलेगी, उनके खुलने के दिन प्रशासन ने तय किया है जिसकी विधिवत सूची भी जारी कर दी है। सुबह 7:00 बजे से 12:00 बजे तक दी गई इस अनुमति में पुस्तक विक्रेताओं को और इलेक्ट्रॉनिक्स के विक्रेताओं को शामिल किया गया है साथ ही आवश्यक वस्तुओं के विक्रेताओं को भी छूट दी गई है।



अपने आदेश में कंटेनमेंट जोन और हॉटस्पॉट एरिया में पूरी बंदी रखने के निर्देश दिए हैं। इतना ही नहीं उन्होंने कहा है कि यदि कोई व्यक्ति हॉटस्पॉट एरिया या कंटेनमेंट एरिया से संबंधित है तो वह कार्य पर नहीं जा सकेगा ना ही दुकानदार उसको बुला सकेगा। गौरतलब है कि देर रात प्रदेश सरकार द्वारा जारी गाइडलाइन के मुताबिक दुकानों को खोलने की अनुमति शर्तों दी गई है। मिठाई की दुकान खुलेगी लेकिन वहां बैठकर नहीं खाया जा सकेगा। रेस्तरांट से केवल होम डिलीवरी की जा सकेगी। सब्जी और फल विक्रेताओं के लिए पहले से ही सरकार ने दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं इसके मुताबिक डिस्टेंस का पालन करते हुए फल और सब्जी विक्रेता अपने सामान को बेच सकेगे। इतना ही नहीं किरयाना की दुकानों को भी शर्तों समय अनुसार खोला जा रहा है।

लॉकडाउन में फंसे मदरसे के छात्रों को लेकर सहारनपुर रेलवे स्टेशन से स्पेशल ट्रेन हुई मणिपुर के लिए रवाना

संवाददाता सहारनपुर। प्रवासी श्रमिकों के बाद मंगलवार को सहारनपुर से मदरसा छात्रों के लिए भी स्पेशल ट्रेन रवाना हुई। देहरादून से मणिपुर के लिए रवाना हुई इस ट्रेन में सहारनपुर रेलवे स्टेशन से 400 से अधिक मदरसा छात्र सवार होकर रवाना हुए। सहारनपुर के देवबंद में विश्वविख्यात दारुल उलूम है और यहां पर अन्य भी कई मदरसे हैं। इन मदरसों में देश-विदेश के छात्र पढ़ाई करते हैं। मदरसों में छुट्टी होने के बाद हर वर्ष यह तलबा यानी छात्र इन दिनों अपने घर लौटते



हैं लेकिन इन बार वह लॉक डाउन होने की वजह से अपने घर नहीं जा पा रहे थे। इन तलबाओं ने प्रशासन से घर जाने की मांग की थी। सहारनपुर के देवबंद में विश्वविख्यात दारुल उलूम है और यहां पर अन्य भी कई मदरसे हैं। इन मदरसों में देश-विदेश के छात्र पढ़ाई करते हैं। मदरसों में छुट्टी होने के बाद हर वर्ष यह तलबा यानी छात्र इन दिनों अपने घर लौटते हैं लेकिन इन बार वह लॉक डाउन होने की वजह से अपने घर नहीं जा पा रहे थे। इन तलबाओं ने प्रशासन से घर जाने की मांग की थी।



देवबंद दारुल उलूम के वरिष्ठ उस्ताद मुफ्ती मोहम्मद सईद अहमद पालनपुरी का निधन

सहारनपुर। विश्व विख्यात इस्लामिक शिक्षण संस्थान दारुल उलूम देवबंद के वरिष्ठ उस्ताद मुफ्ती सईद अहमद पालनपुरी शेख उल हदीस का निधन हो गया है। मौलाना के निजी जीवन के बारे में बात की जाए तो पता चलता है कि वह एक इस्लामी विद्वान और हदीस के बहुत बड़े उस्ताद थे। पूरी दुनिया में उनके अनुयाई हैं। उनके निधन से दारुल उलूम और पूरे इस्लामी जगत के लिए बहुत बड़ी क्षति बताया जा रहा है।

जरूरी सूचना



कोरोना से लड़ाई लंबी है मतलब लॉकडाउन भी लंबा है। अगर लॉकडाउन बढ़ता है तो...कृपया इन बातों का ध्यान रखें-

→ 1- फिजूल खर्ची बिलकुल ना करें, चाहे आपके अकाउंट में लाखों रुपए क्यों ना हों! कैश की प्रॉब्लम हुई तो वो लाखों रुपए कोई काम के नही.

→ 2. आशावादी दृष्टिकोण व सकारात्मक सोच रखने वाले लोगों से प्रेरणा लेते रहें।

→ मिल्क पाउडर का स्टॉक रखें।

→ दवाईयों का स्टॉक रखें, जो रेगुलर लेते हो- बीपी, डायबिटीज, हार्ट, थायरॉइड इत्यादि की दवाई।

→ खाना बिलकुल बर्बाद ना करें; किसी भी हालात में आत्मविश्वास नहीं खोएँ, दोपहर का खाना बचा है तो शाम को खा लें, रोटियां बची हैं तो तल कर रख लें, उन्हें चाय के साथ खा लें। चावल ज्यादा बच गये हैं तो शाम को पुलाव बना लें, भूख से थोड़ा कम खाने की आदत डालें। अभी नये आइटम बनाकर खाने का समय नहीं है, संयम रखें।

→ थोड़ा दही प्रतिदिन जमाते रहें। हो सके तो छाछ लेते रहे।

→ 7. बच्चों की जिद्द पर लगाम लगाये, उनको बुरे वक्त के बारे में बताये, लड़ने की हिम्मत दें उन्हें, तुम स्ट्रॉंग हो...समझदार हो...ऐसे लफ्जों से उन्हें स्ट्रॉंग बनाये...

→ 8. जहां जरूरत है वहीं खर्च करें। (नाश्ता, फ्रूट्स, स्नैक्स, कोल्ड ड्रिंक, मिठाईयाँ, नमकीन, बिस्कुट पर रोक लगाएं)

→ 9. सिंपल खाना खाएं (वक्त बदलेगा तो अच्छा भी खाएंगे)

→ 10. अपने गरीब रिश्तेदार और पड़ोसियों का खास ख्याल रखें ..

→ 11. घर में first aid किट की दवाईयां जरूर रखें, जैसे बुखार, जुकाम, पेट

दर्द, उल्टियां, पैन किलर, iodex, soframycin

→ 12. सुखी सब्जियों का स्टॉक करे- राजमा, मूँग, चवले, चने, छोले, केर-सांगरी, पापड़, मैथी दाना आदि।

छोटी सी कोशिश

→ 13. मॉदर/मस्जिद जाने के लिए जिद्द ना करें। सार्वजनिक रूप से भीड़ मे ना मिले। लोगों से सोशियल डिस्टेंस रखें।

→ 14.आपस में प्रेम से रहें, भूतकाल के झगड़े भूलने का समय है, जिद्द छोड दें।

→ 15. स्वयं कुछ नया सीखे एवं बच्चो को भी योजनाबद्ध तरीके से कुछ नया सिखाएं। आपके माईड में कुछ suggestion और अच्छे ideas हो तो फैमिली ग्रुप में और परिवारजन व दोस्तों को भैसेज करें।

Stay Home Stay Safe.

→ अगर मार्केट खुलता भी है तो भी घर से बाहर ना जाएं क्योंकि वास्तविक स्थिति बहुत ज्यादा खराब है! 10% भी आंकड़े स्पष्ट नहीं है!

→ मई और जून पूरा घर पर ही रहें और आगे 1 साल तक बहुत ज्यादा आप अपनी और परिवार की सेफ्टी करें!

→ अपना ध्यान खुद रखें गवर्नमेंट के पास भी इसका कोई उपाय नहीं है, हालात बहुत खराब है!

→ अपनी जान खुद बचाओ स्थिति जितनी बताई जा रही है उससे कई गुना ज्यादा गम्भीर हैं, इस बात को बिल्कुल हल्के में ना लें आपका कोई करीबी चाह कर भी आपकी मदद नहीं कर पाएगा, आपकी जमा पूंजी/सारा पैसा धरा का धरा रह जाएगा कोरोना होने पर कुछ भी काम नहीं आएगा!

→ याद रहे, सच्चाई और दबाई दोनों बहुत कड़वी होती है, लेकिन स्वीकार करने में ही समझदारी है

प्रतिदिन सैकड़ों गरीबों में भोजन वितरण



संवाददाता जब से लॉकडाउन की शुरूआत हुई तब से खारघर निवासी प्रियंका शुक्ला ने वडाला में 100 लोगों को रोजाना खाने के पैकेट बांटकर एक सराहनीय काम किया है। प्रियंका सक्षम संस्था जो की दिव्यांगों के लिए काम करती है उसकी कोकन प्रांत की संयोजिका भी हैं और कोरोना जैसी महामारी के दौरान दिव्यांगों के साथ साथ वे निरंतर जरूरतमंदों की सहायता कर रही हैं और आगे भी जरूरतमंदों की मदद के लिए तत्पर



है। एक हजार परिवारों में राशन जैसे की दाल चावल तेल साबुन बिस्कुट आटा आदि वितरित करके सहायता कर चुकी हैं। इसके अलावा कई कोरोना ग्रसित परिवारों को भी जरूरी सामान पहुंचाकर उनके रोज मर्रा की जरूरतें पूरी कर रही हैं। वे इस कार्य में अन्य लोग जो उनकी सहायता कर रहे हैं उनको भी धन्यवाद करती है और आशा करती हैं की ऐसी कठिन परिस्थिति में निरंतर सहयोग मिलता रहे। वे सबका साथ सबका विकास में विश्वास रखती हैं।

लगातार हो रही चोरियों के कारण मचा हड़कंप



टाण्डा (रामपुर)। पुलिस विभाग की लापरवाही एवं निष्क्रियता के चलते ग्राम सेढुका मझरा में रविवार की रात्री किसी

समय अज्ञात चोरों द्वारा नकब लगाकर चोरी किये जाने को लेकर दिया गया अन्जाम नगर सहित आस पास के ग्रामों में चोरी द्वारा दिया गया तीसरी बार अन्जाम लगातार की ही चोरियों से मचा हड़कंप निर्वंत्रण करपाना के साथ साथ पुलिस को रही विफल। टाण्डा नगर सहित आस पास के ग्रामों में चोरी किये जाने की घटनायें लगातार बढ़ती चली जा रहे है रविवार के रात्री ग्राम सेढुका मझरा विजय पुत्र गेंदा

लाल निवासी अपने ऑगन में सोया हुआ था रात्री किसी समय चोर नकब लगाकर उसके घर के अंदर रखा खाने पीने का सामान व जेवरात आदि साफ कर ले गये लगातार की हो रही चोरियां से नगर सहित व आस पास के क्षेत्र में हड़कम्प मचा गया हैं नगरीय व ग्राम वासी घटनाओं को लेकर सहमे हुए हैं चोर आसमान छूते नजर आ रहे हैं जिन पर रोक लगा पाना मुश्किल हो पा रहा है पुलिस के प्रति रोष व्याप्त हैं।

चीन से अपनी कंपनियों को वापस बुलाएगा अमेरिका

संवाददाता अमेरिकी कंपनियों को अपने मैनुफैक्चरिंग इकाईयों को चीन से वापस अपने देश लाने में मदद के लिए एक प्रभावशाली सांसद ने कांग्रेस में एक विधेयक पेश किया है। माना जा रहा है कि कोरोना वायरस महामारी के चलते आने वाले दिनों में बड़ी संख्या में अमेरिकी कंपनियां चीन से बाहर निकलेंगी। अमेरिकी सांसद मार्क ग्रीन द्वारा पेश किए गए विधेयक द ब्रिग अमेरिकन कंपनी होम एक्ट में इन कंपनियों को वापस लागने की पूरी लागत और चीन आयात पर लगने वाले आयात शुल्क को कवर करने के लिए कहा गया है। ग्रीन ने कहा कि हमारी अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए अमेरिका में निवेश आकर्षित करना जरूरी है। लेकिन

अमेरिकी कंपनियों के लिए अपने देश आने में एक सबसे बड़ी बाधा लागत है। कई कंपनियों के लिए ये बहुत खर्चीला और जोखिम भरा है, खासतौर से वैश्विक आर्थिक अर्निश्चिता के दौर में। उन्होंने कहा कि चीन ने साफ कर दिया है कि वह भरोसेमंद साझेदार नहीं है। अमेरिका को फिर से विकसित करने और चीन पर निर्भरता कम करने के लिए, आइए हम अवसर के द्वार खोलें और हमारे देश में ही निवेश को प्रोत्साहित करें। मेरा विधेयक विकास के लिए है, और ऐसा करना ही उचित है।

इंडियन ड्राइविंग लाइसेंस के साथ इन देशों में भी चला सकते हैं कार !



अधिकतर लोग विदेशी कंट्री का वीजा लगा रहे हैं, क्योंकि भारतीय लोगों में विदेशी देशों में घूमने का क्रेज अधिक देखने को मिल रहा है। अगर विदेश में घूमने का मौका मिल जाए तो दिक्कत आती है विदेशी ड्राइविंग लाइसेंस को लेकर। बहुत से लोग हैं जो विदेशों में कार चलाना चाहते हैं, लेकिन विदेशी ड्राइविंग लाइसेंस न होने के कारण यह चाहत केवल चाहत ही बनकर रह जाती है। आज हम ऐसे देशों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां आप इंडियन लाइसेंस के साथ ही गाड़ी चला सकते हैं। जी हां, बस शर्त यह है कि आपको ड्राइविंग भारत की स्टीयरिंग की तुलना में उन देशों के मुताबिक चलानी आनी चाहिए। आइए जानते हैं उन 8 देशों के बारे में, जहां भारतीय लाइसेंस पर आप पूरा देश घूम सकते हैं।

भारत के जो लोग जर्मनी में घूमने जाते हैं, वह 6 महीने तक अपने इंडियन लाइसेंस पर यहां गाड़ी चला सकते हैं। ध्यान रखें कि गाड़ी चलाते समय अपने सभी ड्राइविंग लाइसेंस साथ रखें।

3. साउथ अफ्रीका

अमेरिका की तरह साउथ अफ्रीका में गाड़ी चलाने के लिए आपका ड्राइविंग लाइसेंस वैध और अंग्रेजी में होना चाहिए क्योंकि गाड़ी रेंट पर लेने से पहले आपको यह दिखाना पड़ता है।

4. स्विट्जरलैंड

इस खूबसूरत देश में ड्राइविंग का अपना अलग ही मजा है। यहां पर आप भारतीय ड्राइविंग लाइसेंस के जरिए 1 साल तक गाड़ी चला सकते हैं।

5. नॉर्वे

यहां आपको भारतीय लाइसेंस पर सिर्फ 3 महीने के लिए गाड़ी

चलाने की अनुमति मिलती है।

6. न्यूजीलैंड

यहां गाड़ी चलाने के लिए आपकी उम्र 21 साल होनी चाहिए। साथ ही आपका इंडियन लाइसेंस अंग्रेजी में होना चाहिए। अगर ऐसा नहीं होता है कि तो न्यूजीलैंड सरकार से आपको लाइसेंस अंग्रेजी में बनवाना पड़ेगा।

7. ऑस्ट्रेलिया

न्यू साउथ वेल्स, क्वीनलैंड और साउथ ऑस्ट्रेलिया इन सभी जगह आपका इंडियन लाइसेंस वैध होगा, परन्तु उत्तरी ऑस्ट्रेलिया में आपको सिर्फ 3 महीने तक गाड़ी चला सकते हैं।

8. फ्रांस

फ्रांस में आप पूरे साल इंडियन लाइसेंस पर गाड़ी चला सकते हैं। बस आपको इस लाइसेंस की फ्रेंच कॉपी बनाकर अपने पास रखनी होगी।

मुंबई हलचल राशिफल

-आचार्य परमानंद शास्त्री

मेघ: जोखिम व जमानत के कार्य टालें। दूसरों पर अतिविश्वास न करें। व्ययवृद्धि होगी। विवाद न करें। कार्यों में बाधा होगी।

वृष: यात्रा, निवेश व नौकरी मनोनुकूल रहेंगे। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। विरोध होगा। जोखिम लेने से बचें।

मिथुन: योजना फलीभूत होगी। यात्रा, निवेश व नौकरी आदि में अनुकूलता रहेगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। प्रसन्नता रहेगी।

कर्क: राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। तंत्र-मंत्र में रुचि रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। लाभ होगा।

सिंह: चोट व दुर्घटना से बचें। वस्तुएं संभालकर रखें। कुसंगति से हानि होगी। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें।

कन्या: वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। धनार्जन होगा।

तुला: बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। धन प्राप्ति सुगम होगी।

वृश्चिक: बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का मौका मिलेगा। यात्रा सफल रहेगी। लाभ होगा।

धनु: बुरी सूचना मिल सकती है। भागदौड़ अधिक होगी। विवाद को बढ़ावा न दें। कार्य में बाधा होगी। कष्ट संभव है।

मकर: मेहनत का परिणाम अच्छा मिलेगा। कार्य की प्रशंसा होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। दूसरों से अपेक्षा न करें।

कुंभ: मित्र व संबंधी से मुलाकात होगी। अच्छे समाचार प्राप्त होंगे। धनलाभ होगा। यात्रा संभव है। प्रसन्नता रहेगी।

मीन: यात्रा, निवेश व नौकरी मनोनुकूल लाभ देंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। प्रसन्नता रहेगी। रोजगार मिलेगा।

1. अमेरिका

अमेरिका में आप अपने इंडियन ड्राइविंग लाइसेंस के जरिए एक साल तक गाड़ी चला सकते हैं। परन्तु इसके लिए आपको वैध और अंग्रेजी में बना हुआ लाइसेंस की जरूरत होगी। आपको पास इन दोनों में से कुछ भी नहीं है तो आप इंटरनेशनल ड्राइविंग लाइसेंस से गाड़ी चला सकते हैं। साथ ही आपको एक फॉर्म क-94 की कॉपी की भी जरूरत होगी, जिसमें आपकी अमेरिका आने की तारीख लिखी होगी।

2. जर्मनी

नदियों के किनारे बैठने का है शौक तो एक बार जरूर जाएं यहां

संसार में घूमने के लिए एक से बढ़कर एक जगह हैं। घूमने फिरने के शौकिन लोग हर बार नई जगह पर जाना पसंद करते हैं। जैसे दिन में एक बार खाया खाना आप दोबारा नहीं खा सकते, वैसे ही बार-बार एक ही जगह पर नहीं जा सकते। हर बार एक ही जगह पर जाने से व्यक्ति बोर हो जाता है। ऐसे में हम आज आपको ऐसे शहरों के बारे में बताएंगे जहां आप छोटी-छोटी नदियों और वहां की खूबसूरत नजारों का एक साथ आनंद ले सकते हैं। अगर आपको भी पानी के किनारे बैठने और शांत माहौल में रहने अच्छा लगता है, तो इन शहरों में एक बार जरूर जाएं।



1. हॉम्बुर्ग

हॉम्बुर्ग में विश्व के बाकी शहरों के मुकाबले सबसे ज्यादा नहरें हैं। यहां पर आपको जर्मनी के इतिहास के बारे में सब कुछ जानने को मिलेगा। अगर पुराने और नए जमाने के संगम को देखना हो तो हॉम्बुर्ग जरूर आएँ।

2. एम्सटर्डम

एम्सटर्डम नीदरलैंड की राजधानी है। यह यूरोप शहर के सबसे सुंदर शहरों में से एक है। एम्सटर्डम में वेनिस से ज्यादा नहरें हैं। घरों के किनारों से निकलती यह नदिया शहर की खूबसूरती को और बढ़ा देती है।

3. सेंट पीटर्सबर्ग

सेंट पीटर्सबर्ग बाल्टिक सागर और

नेवा नदी को आपस में जोड़ता है। जहां इन दोनों का संगम होता वहां का नजारा देखने में बेहद खूबसूरत लगता है। सेंट पीटर्सबर्ग में हर साल व्हाइट नाइट फेस्टिवल की आयोजन किया जाता है।

4. आलापूझा (अलेप्पी)

विदेशों की तरह ही भारत में कई ऐसे शहर हैं। जहां सुंदर और छोटी-छोटी नदिया बहती हैं। ऐसा ही नजारा केरल के आलापूझा (अलेप्पी) में देखने को मिलता है। आलापूझा की नदियों में नोका पर पूरा दिन घूम सकते हैं। आप चाहें तो खूद भी किराए पर नोका लेकर चला सकते हैं।

5. एनेसी

झील और नहरों के किनारे बने एनेसी शहर में कई ऐसे रेस्टोरेंट्स हैं। यहां पर आप वाइन के साथ खूबसूरत नजारों का मजा ले सकते हैं।

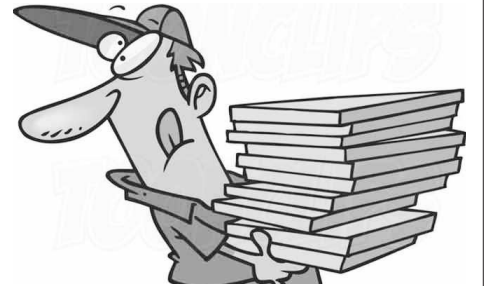
6. स्टॉकहोम

यहां आप नदियों के साथ राजकीय महल और बेहतरीन नजारों का आनंद एक साथ ले सकते हैं। सर्दियों के मौसम में स्टॉकहोम की नदियों के सूखने पर यहां स्केटिंग की जाती है।

7. सूजो

सूजो शहर नदिया और इसकी खूबसूरती दुनिया भर के लोगों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। यहां पर आप साफ सुथरे पानी के नजारों के साथ स्थानीय खान-पान और यहां की संगीत धुनों का मजा ले सकते हैं।

पिज्जा की लगातार डिलीवरी से बेहाल वकील ने दर्ज कराई रिपोर्ट



हाल ही में जर्मनी की पुलिस के पास जांच के लिए एक अनोखा मामला आया है। बर्लिन के एक वकील ने केस दर्ज कराया है कि पिछले 20 दिनों से कोई उसके घर में रोज पिज्जा भेज रहा है। सबसे बड़ी बात ये है कि मामला एक दो पिज्जा का नहीं है, उसके घर में ये सिलसिला लगाता बना हुआ है और एक के बाद दिनभर पिज्जा आते जा रहे हैं। उनके घर के बाहर पिज्जा डिलीवरी बॉयज की लाइन लगी हुई है। पुलिस भी उस अनजान शख्स की खोज शुरू कर चुकी है जिसने ये सिलसिला शुरू कर चुकी है।

आ चुके हैं सौ से ज्यादा पिज्जा

अब तक इस वकील गीडो ग्रेले के पास 20 दिनों में 100 से ऊपर पिज्जा पहुंच चुके हैं। इतनी ज्यादा डिलीवरी के बाद पिज्जा कंपनी उसे फोन करके पूछ रही है कि क्या वाकई उन्होंने इतने पिज्जा ऑर्डर किये हैं। इसीलिए बुरी तरह परेशान होने के बाद उन्होंने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई। वैसे पुलिस को आशंका है कि उनका कोई प्रतिद्वंद्वी वकील ग्रेले को परेशान कर रहा है। वैसे ऐसा भी हो सकता है कि कोई उनकी वजह से केस हारने वाला सजा पाने वाला मुजरिम भी हो। कितना अहिंसा वादी तरीका है ना, हालांकि अब ये तो तय कि कुछ महीनों तक तो ग्रेले पिज्जा का मुंह भी नहीं देखेंगे।

दांतों में कैविटी की समस्या को इन घरेलू तरीकों से करें दूर

सफेद और सुंदर दांत व्यक्ति की खूबसूरती को और बढ़ा देते हैं। इनके बिना खाना खाने का कोई मजा नहीं आता। ऐसे में दांतों की सही देखभाल करना बहुत ही जरूरी होता है। कुछ लोग के गलत खान-पान या सही तरीके से दांतों की देखभाल न करने पर इनमें कैविटी यानी कीड़ा लग जाता है। यह किसी भी उम्र के लोगों को हो सकता है। कई बार कीड़ा लगने से इतना दर्द होता है कि उसको सहन करना बहुत मुश्किल हो जाता है। इस दर्द से छुटकारा पाने के लिए कई लोग दवाइयां और ट्रीटमेंट का सहारा भी लेते हैं। जो की बहुत महंगा है। ऐसे में आप नैचुरल तरीके से भी दांतों में लगे कैविटी को आसानी से हटा सकते हैं। तो आइए जानते हैं उन तरीकों के बारे में।



ऐसे करें कैविटी से बचाव

मिठाई, कैन्डी और चॉकलेट खाना कम करें। शक्करायुक्त खाद्य पदार्थों का सेवन करने से बचें।

ज्यादा मिठु फल न खाएं।

सोडा न पीएं। इसमें 12 से 40 ग्राम चीनी की मात्रा होती है जो कि दांतों के लिए बिल्कुल भी ठीक नहीं

होती। खाने के बाद कुल्ला करें।

तेल और मसालेदार भोजन न खाएं। ज्यादा गर्म या ठंडा खाना खाने से बचें।

क्या है कैविटी

शक्करयुक्त खाद्य पदार्थों यानि बिस्किट्स, चॉकलेट्स, आलू, केला को खाने से मुंह में अम्ल बनने लगते हैं। इससे दांतों में धीरे-धीरे छोटे-छोटे से छिद्र बन जाते हैं। बाद में इन्हें छिद्रों में कैविटी या कीड़ा लगत जाता है। इसके अलावा दांतों में संक्रमण होने पर भी कैविटी बन सकती है। इसका इलाज न करावाने पर दांतों के खराब होने का खतरा बढ़ जाता है। पीड़ित व्यक्ति को दांत खोने पड़ सकते हैं।

कैविटी लगे दांतों का घरेलू इलाज

1. नारियल या सूरजमुखी का तेल
कीड़ा लगे दांतों में तेल भरना सबसे बेस्ट घरेलू तकनीक है। इसके लिए आप नारियल तेल या सूरजमुखी का तेल का इस्तेमाल कर सकते हैं। 1 चम्मच तेल को अपने मुंह में कम से कम 20 मिनट तक रखें। इसके बाद कुल्ला करें और ब्रश कर लें। कुछ दिनों तक ऐसा करने से आपको खुद ही फर्क दिखाई देने लगेगा।

2. दांतों के लिए बेस्ट खाना खाएं
दांतों को स्वस्थ रखने के लिए विटामिन डी और कैल्शियम युक्त भोजन का सेवन करें। हरी सब्जियां, सी फूड और सोयाबीन खाने

से दांत खराब नहीं होते। दांतों को ठीक रखने के लिए फास्ट फूड न खाएं।

3. फ्लोराइड
यह एक तरह का प्राकृतिक खनिज पदार्थ है। यह दांतों में किसी भी प्रकार का रोग नहीं होने देता है। दांतों को सुरक्षित रखने के लिए उस पानी का इस्तेमाल करें जिस में फ्लोराइड की मात्रा ज्यादा हो। इसके साथ ही टूथ पेस्ट से रोजाना दो बार ब्रश करें।

4. हींग
हींग का इस्तेमाल करने से भी दांतों के कीड़े खत्म हो जाते हैं। हींग के पाउडर को पानी में डालकर उबा लें। इसके ठंडा होने पर इस पानी से

कुल्ला करें। रोजाना ऐसा करने से दांत के कीड़े खत्म हो जाएंगे। इसके साथ ही दांतों में होने वाले दर्द से भी छुटकारा मिलेगा।

5. प्याज के बीज
दांतों के कीड़े को नष्ट करने के लिए प्याज के बीजों का इस्तेमाल करें। इसके बीजों को चबाने से कीड़े जल्द ही खत्म हो जाते हैं। आप चाहें तो प्याज को बारिक काट कर भी इसका इस्तेमाल कर सकते हैं। एक कटोरे बारिक कटा प्याज डालकर उसमें इसमें थोड़ा-सा तेल डालकर कम आंच पर गर्म करें। इससे निकलने वाले धुएं को मुंह में लेने से भी कीड़े मर जाते हैं।

गर्भाशय में रसौली के लक्षण जान इस तरह करें घरेलू उपचार

बिगड़ते लाइफस्टाइल में महिलाओं में कई समस्याएं देखने को मिलती है, इन्हीं में से एक फाइब्रोइड यानी रसौली। फाइब्रोइड या रसौली की गांठें महिलाओं के गर्भाशय में या उसके आसपास बनती है। इस बीमारी के ज्यादातर लक्षण न होने के कारण महिलाओं को इसका पता नहीं चल पाता। एक शोध के अनुसार लगभग 40 प्रतिशत महिलाएं रसौली का शिकार होती हैं। वैसे तो अक्सर यह समस्या 30 से 50 की उम्र में देखने को मिलती है लेकिन गलत खान-पान के कारण यह समस्या इससे कम उम्र में हो जाती है। मोटापे से ग्रस्त महिलाओं का एस्ट्रोजन हार्मोन स्तर ज्यादा होने के कारण उन्हें इसका खतरा सबसे अधिक होता है। इस बीमारी के कुछ सामान्य लक्षणों से इसकी पहचान करके आप इससे बच सकते हैं। तो आइए जानते हैं फाइब्रोइड के लक्षण और इसे दूर करने के कुछ घरेलू उपाय।

फाइब्रोइड या रसौली के लक्षण

पीरियड्स के दौरान भारी ब्लिडिंग
अनियमित पीरियड्स
पेट के नीचे के हिस्से में दर्द
प्राइवेट पार्ट से खून आना
कमजोरी महसूस होना
प्राइवेट पार्ट से बदबूदार डिस्चार्ज
पेट में अचानक दर्द
कब्ज
पेशाब रुक-रुककर आना
फाइब्रोइड या रसौली के घरेलू उपाय

1. केस्टर ऑयल

दिन में 2 बार केस्टर ऑयल और अदरक के रस को मिला कर लें। सुबह और रात में सोने से पहले इसका सेवन इस बीमारी को

दूर करता है।

2. लहसुन

रसौली की समस्या होने पर खाली पेट रोज 1 लहसुन का सेवन करें। लगातार 2 महीने तक इसका सेवन इस समस्या को जड़ से खत्म कर देता है।

3. बरडाँक रूट

यह जड़ी-बूटी एस्ट्रोजन को डिटॉक्स कर गर्भाशय फाइब्रोइड को कम करने में मदद करती है। एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण से भरपूर इस जड़ी-बूटी का सेवन इस समस्या और कैंसर के खतरे को कम करता है।

4. सेब का सिरका

गर्म पानी के साथ सुबह शाम सेब का सिरका पीने से फाइब्रोइड की समस्या



दूर होती है। इसके अलावा इसका सेवन फाइब्रोइड से होने वाले पेट दर्द को भी दूर करता है।

5. चेस्टबेरी

यह हर्ब हार्मोन संतुलन करके एस्ट्रोजन के कम स्तर को बनाए रखने और सूजन को कम करने में मदद करता है। चेस्टबेरी हर्ब से बने मिश्रण की 25-30 बूंदों को दिन में दो से चार बार लेने से आपको यह समस्या दूर हो जाएगी।

6. हल्दी

एंटीबॉटिक गुणों से भरपूर हल्दी का सेवन शरीर से विषैले तत्वों को बाहर निकाल देता है। यह फाइब्रोइड की ग्रोथ को रोक कर कैंसर का खतरा कम करता है।

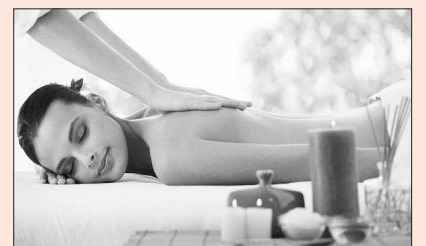
बॉडी स्पा करवाने से पहले रखें इन बातों का ध्यान

लगातार काम करते रहने

से शरीर में थकावट हो जाती है। जिससे मांसपेशियों में जकड़ने के साथ-साथ खूबसूरती भी डल होने लगती है। ऐसे में जरूरी है कि काम-काज से थोड़ी सी छुट्टी लेकर खुद के लिए भी समय निकाला जाए। बॉडी स्पा के जरिए अपनी थकान को दूर करना बेहतर उपाय है। इससे शरीर को स्फूर्ति तो मिलती ही है, साथ ही स्किन भी पहले से कहीं ज्यादा स्मूथ और चमकदार हो जाती है। आजकल बहुत से स्पा सेंटर ऐसे हैं जहां पर हर्बल तरीके से पूरा ट्रीटमेंट किया जाता है लेकिन इसके बारे में भी पूरी तरह से जानकारी होनी बहुत जरूरी है। कौन सा स्पा सेंटर आपके लिए बेस्ट है या नहीं। आप भी स्पा करवाने के बारे में सोच रहे हैं तो कुछ बातों पर ध्यान देना बहुत जरूरी है।

1. जिस स्पा सेंटर में आप स्पा करवाने जा रही हैं, सबसे पहले वहां की गुणवत्ता और विश्वासनीयता के बारे में जरूर जान लें कि वहां का ट्रेनर अपने काम में एक्सपर्ट भी हैं या नहीं।

2. इस ट्रीटमेंट को लेने से पहले वहां इस्तेमाल किए जाने वाले प्रॉडक्ट्स के



निर्देश अच्छे से जरूर पढ़ें, ताकि इसका प्रयोग होने पर आपकी बॉडी पर कोई साइड इफेक्ट न हो।

3. जब कभी कामकाज करने पर आपको किसी तरह की थकान नहीं हुई तो यह जरूरी नहीं है कि आपने यह ट्रीटमेंट लेना ही है। आप इसे छोड़ भी सकते हैं।

4. अपनी बॉडी पर सस्ते या भारी डिस्काउंट वाले प्रॉडक्ट्स का इस्तेमाल न करवाएं क्योंकि यह आपके लिए नुकसानदायक हो सकते हैं।

5. तनाव को दूर करने और बॉडी को रिलैक्स करने के कारण स्पा हमेशा बिना बोलें चुप करके ही करवानी चाहिए। इससे आपका तनाव भी कम होगा और साथ ही में स्कून भी मिलेगा।

6. स्पा करवाने जाते समय साथ में बच्चों को कभी न लेकर जाएं नहीं तो वह आपके स्पा लेने का मजा खराब कर सकते हैं।



6 साल पहले इस बीमारी का शिकार हुई थीं सुष्मिता सेन



बॉलीवुड एक्ट्रेस सुष्मिता सेन सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वे अक्सर अपने बच्चों और बॉयफ्रेंड के साथ फोटोज शेयर करने के अलावा वर्कआउट की तस्वीरें भी साझा करती रहती हैं। ऐसा ही एक और वीडियो सुष्मिता ने यूट्यूब पर शेयर किया है जिसमें उन्होंने अपनी बीमारी से लड़ने की कहानी को भी बयां किया है। बता दें नुनचाकू एक तरह का कराटे किट है जिसे सही तरीके से चलाने के लिए काफी प्रैक्टिस की जरूरत पड़ती है। वीडियो के साथ ही सुष्मिता ने लिखा-

सितंबर 2014 में जब मुझे पता चला कि मैं एक तरह के ऑटो इम्यून कंडीशन 'एडसिन बीमारी' से ग्रस्त हूं तो ऐसा लगा जैसे अब मेरे पास लड़ने के लिए कुछ नहीं है। एक सूखा शरीर जिसमें सिर्फ निराशा और आक्रामकता है। मेरे आंखों के नीचे पड़े डार्क सर्कल्स चार साल की मेरी लड़ाई को परभाषित नहीं कर सकते थे।

जब प्रीति ने किया खुलासा

प्रीति जिंटा बॉलीवुड में कई अच्छी फिल्मों के कारण जानी जाती हैं। मेन लीड एक्ट्रेस के अलावा भी प्रीति जिंटा ने कुछ ऐसे रोल्स किए जो कि ग्लैमर से दूर रहे पर लोगों ने खूब सराहना की। पर पहली ही फिल्म में एक अनमैरिड टीनेज प्रेगनेंट का किरदार निभाने का प्रीति जिंटा ने जब फैसला लिया था तो लोग शॉक रह गए थे। बता दें कि प्रीति जिंटा ने अपनी पहली फिल्म क्या कहना की थी। प्रीति जिंटा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में खुलासा किया है कि कैसे उन्हें उस वक्त मुश्किल झेलनी पड़ी थी। प्रीति जिंटा ने पोस्ट में लिखा, मुझे याद है जब मैंने एक बिन बियाही टीनेज मां के रोल का फैसला लिया था तो हर कोई शॉक रह गया था। कुछ ने कहा था कि करियर शुरू होने से पहले ही खत्म हो जाएगा, क्या तुम पागल हो गई हो? प्रीति जिंटा कहती हैं, जब मैं पीछे मुड़कर देखती हूं तो रमेश तुरानी और हनी आंटी का शुक्रिया कहना चाहती हूं जिन्होंने ये फिल्म दी। खासकर सैफ और चंद्रचूड़ का भी शुक्रिया जो कि फिल्म में मेरे साथ थे।

मुंबई के हेल्थ वर्क्स को आलिया का गिफ्ट

कोरोना वायरस महामारी के बीच आम लोगों के साथ ही साथ बॉलीवुड सेलेब्स भी अपने-अपने स्तर पर मदद की कोशिशें कर रहे हैं। कई सितारों ने आर्थिक योगदान दिया है तो कुछ स्टार्स ऐसे भी हैं जो गरीब मजदूरों के लिए खाने का इंतजाम कर रहे हैं और डॉक्टर्स को भी मदद की पहल कर रहे हैं। हाल ही में आलिया भट्ट ने भी एक ऐसी ही पहल की है जहां उन्होंने हेल्थ वर्क्स को केयर पैकेज दे दिए। मुंबई के केईएम अस्पताल के डॉक्टर श्रीपद गंगापुरकर ने एक तस्वीर शेयर की है जिसमें आलिया द्वारा दिए गए केयर पैकेज को देखा जा सकता है। इस तस्वीर में एक चॉकलेट बार, स्वीट बन, एप्पल ड्रिंक और कुछ स्नैक्स नजर आ रहे हैं। इसके साथ ही आलिया ने एक नोट भी शेयर किया है जिसमें लिखा है- शैक्यू आप जो कुछ भी कर रहे हैं लोगों को स्वस्थ और सुरक्षित रखने के लिए। आप असल मायनों में हीरो हैं। श्रीपद ने अपने ट्वीट में लिखा, शैक्यू आलिया इस स्वीट सरप्राइज के लिए। कोरोना वायरस महामारी के खतरनाक समय के बीच आपका ये गिफ्ट बेहद खास है। उन्होंने ये भी कहा कि आलिया ने मुंबई के सभी डॉक्टर्स को ये भेजा है।

